Printed from
नवभारत टाइम्स
Navbharat Times - Breaking news, views. reviews, cricket from across India

स्पोर्ट्स रिकवरी में झंडे गाड़ने की तैयारी

18 Apr 2011, 0400 hrs IST

आशीष दुबे॥ नोएडा

देश की स्पोर्ट्स सिटी के रूप में उभर रहे नोएडा और ग्रेटर नोएडा में खिलाड़ियों के इलाज के लिए बेहतर सुविधा देने का प्लान तैयार किया जा रहा है। सेक्टर-30 में तैयार हो रहे डॉ. भीमराव आंबेडकर सुपर स्पेशिऐलिटी हॉस्पिटल में चोटिल खिलाड़ियों को रिलीफ देने के लिए हाइपर बेरिक ऑक्सिजन तकनीक से सुसज्जित वॉर्ड बनाया जाएगा।

इस संबंध में शासन और नोएडा अथॉरिटी ने प्लान बना लिया है। इस तकनीक से जुड़ी मशीनरी के खरीद की प्रक्रिया चल रही है। इस तरह की सुविधा दिल्ली में फिलहाल दो अस्पतालों में है। इस सुविधा के बाद खिलाड़ियों के लिए नोएडा भी एक रिकवरी सेंटर के रूप में उभरकर सामने आ जाएगा।

क्या है हाइपर बेरिक ऑक्सिजन तकनीक

खेलों में लगी चोट को ठीक करने के लिए विदेशों में काफी पहले से खिलाड़ी इस तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें खिलाड़ी को चोट लगने पर हाई प्रेशर ऑक्सिजन चैंबर में रखा जाता है। इससे चोट से प्रभावित शरीर के अंग में ब्लड सर्कुलेशन फास्ट हो जाता है और बेहद कम समय में रिकवरी हो जाती है। इसमें सामान्य लेवल के मुकाबले ढाई गुना अधिक प्रेशर से ऑक्सिजन पहुंचती है। इस कारण 10 दिनों के भीतर भरने वाले घाव को 3 से 4 दिनों के भीतर ठीक किया जा सकता है। ज्यादातर विदेशी खिलाड़ियों के पास घर में ही इस ट्रीटमेंट की सुविधा होती है। आईपीएल-3 के दौरान ऑस्ट्रेलिया के मीडियम पेसर और दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाड़ी डिर्क नैन्स ने इस तकनीक से दिल्ली के अपोलो अस्पताल में इलाज कराया था। वह 3-4 दिनों के भीतर फिट होकर मैच के लिए तैयार थे। अपोलो के अलावा दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में भी यह सुविधा उपलब्ध है। हाई प्रेशर ऑक्सिजन ब्लड में ठीक उस तरह से घुल जाती है, जैसे कोक की बोतल में ऑक्सिजन मिक्स होती है।

मिलता है जल्द आराम

सेक्टर -25 निवासी और अपोलो अस्पताल के हाइपर बेरिक मेडिसिन विभाग प्रमुख डॉ . तरुण साहनी ने बताया कि आम रोगी और खिलाड़ी की रिकवरी में टाइम का अहम रोल होता है। खिलाड़ी के लिए जल्द फिट होकर मैच खेलना जरूरी होता है। दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में यह मशीन अमेरिका से मंगवाई गई है , जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ है। अपोलो अस्पताल में लगी मशीन पुणे की एक कंपनी ने तैयार की है। करीब डेढ़ घंटे के ट्रीटमेंट के लिए 2 से 3 हजार रुपये का खर्च आता है। उन्होंने बताया कि सिगरेट पीने वाले और फेफड़ों में दिक्कत वाले मरीजों के लिए यह ट्रीटमेंट नुकसान पहंुचा सकता है। डॉ . साहनी ने कहा कि नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा को स्पोर्ट्स हब के रूप में तैयार करने में यह तकनीक मील का पत्थर साबित होगी।

ICICI™ Home Loan @ 9.50*%
ICICI-HomeLoans.com
EMI Rs.932/Lac* कम ब्याज न्यूनतम वेतन Rs.18000 +

BharatMatrimony.com
BharatMatrimony.Com/Join-Free
The Most Trusted Matrimonial Site Over 20 Million Brides & Grooms

Ads by Google

इस आर्टिकल को फेसबुक पर शेयर करें।
इस आर्टिकल को ट्वीट करें।

About Us | Advertise with Us | Terms of Use | Privacy Policy | Feedback | Sitemap
Copyright © 2011 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved. For reprint rights: Times Syndication Service
This site is best viewed with Internet Explorer 6.0 or higher; Firefox 2.0 or higher at a minimum screen resolution of 1024x768